सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजसमंद

हिन्दी विभाग एवं आईक्यूएसी

द्वारा आयोज्य

‘राष्ट्रीय चेतना साहित्य’

विषयक

अंतरराष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक: 09 फरवरी 2022, 12.15 PM IST

Join on Youtube:- https://youtu.be/XbuNXCL3DcM

संरक्षक

डॉ॰ रचना तैलंग

नोडल प्राचार्य, सेठ रंग लाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजसमंद

सह संरक्षक

श्रीमती शकुंतला शर्मा

प्रभारी अधिकारी आईक्यूएसी एवं सहआचार्य, सेठ रंग लाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजसमंद

समन्वयक

डॉ॰ उषा शर्मा

विभाग प्रभारी एवं सह आचार्य, हिन्दी विभाग, सेठ रंग लाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजसमंद

आयोजन सचिव

डॉ॰ महेश चन्द्र तिवारी

सहायक आचार्य, सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर, महाविद्यालय,राजसमंद

आयोजन सहसचिव

श्रीमती विभा शर्मा

सहायक आचार्य, सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर, महाविद्यालय,राजसमंद

डॉ॰ गोपाल लाल कुमावत

सहायक आचार्य, सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, राजसमंद

आईक्यूएसी समिति

डॉ॰ सुमन बडौला*

डॉ॰ दिनेश हंस*

डॉ॰ ब्रजेश कुमार बासोतिया*

डॉ॰ संतोष भण्डारी*

* सहआचार्य, सेठ रंग लाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,राजसमंद

Contact

Dr. Mahesh Chandra Tiwari
Mob - 9460029789

Join Here:- **https://youtu.be/XbuNXCL3DcM**

आमंत्रित विद्वान

प्रो॰ पुष्पिता अवस्थी

अध्यक्ष,
विश्व हिन्दी फ़ाउंडेशन,
नीदरलेंड

डॉ॰ राजेश चौधरी

पूर्व विभाग प्रभारी एवं सह आचार्य, हिन्दी विभाग, महाराणा
प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चित्तौड़गढ़(राज॰)

डॉ॰ मनोज पण्ड्या

विभाग प्रभारी एवं सह आचार्य, हिन्दी विभाग,
श्री गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय, बांसवाड़ा(राज॰)

डॉ. अखिलेश चास्टा

विभाग प्रभारी एवं सह आचार्य,हिन्दी विभाग,
महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
चित्तौड़गढ़(राज॰)

डॉ॰ राजेंद्र कुमार सिंघवी

सहायक आचार्य, डॉ॰ भीमराव अंबेडकर
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, निम्बाहेड़ा(राज॰)

डॉ॰ हुसैनी बोहरा

सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग,
भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय,उदयपुर (राज॰)

कार्यक्रम

- **स्वागत उद्बोधन** - डॉ० रचना तैलंग, नोडल प्राचार्य
- वेबिनार परिचय - डॉ० महेश चन्द्र तिवारी, आयोजन सचिव
- विषय प्रवर्तन - डॉ० मनोज पण्ड्या
- आदिकाल और राष्ट्रीय साहित्य का बीजांकुर - डॉ० उषा शर्मा
- मध्यकालीन साहित्य में राष्ट्रीय चेतना - डॉ० अखिलेश चास्टा
- स्वाधीनता संग्राम और राष्ट्रीय चेतना - डॉ० राजेंद्र सिंघवी
- 20 वीं सदी का उत्तरार्ध - डॉ० हुसैनी बोहरा
- समसामयिक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर - डॉ० राजेश चौधरी
- राष्ट्रीय साहित्य चेतना : वैश्विक परिदृश्य - प्रो० पुष्पिता अवस्थी
- **आभार** - श्रीमती शकुंतला शर्मा

सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजसमंद ‘

हिंदी विभाग और आइक्यूएसी

दिनांक 9 फरवरी 2022

राष्ट्रीय चेतना साहित्य’ पर अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजसमंद के हिंदी विभाग और आइक्यूएसी द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। इस वेबिनार का शीर्षक था- ‘राष्ट्रीय चेतना साहित्य ’। यह वेबिनार दिनांक 9 फरवरी 2022 को आयोजित की गई । इस वेबिनार में अंतरराष्ट्रीय स्तर की

विदुषी, जो विश्व हिंदी फाउंडेशन नीदरलैंड की अध्यक्षा है -प्रोफेसर पुष्पिता अवस्थी भी आमंत्रित थीं। वेबिनार की संरक्षक मॉडल प्राचार्य , सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजसमंद डॉ . रचना तैलंग तथा सह संरक्षक प्रभारी अधिकारी आईक्यूएसी श्रीमती शकुंतला शर्मा थीं। वेबिनार में समन्वयक की भूमिका महाविद्यालय के हिंदी विभाग की विभाग प्रभारी डॉ . उषा शर्मा ने निर्वहन की। वेबिनार के आयोजन सचिव महाविद्यालय में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ महेश चंद्र तिवारी थे । आयोजन सह सचिव महाविद्यालय की रजनीति विज्ञान की सहायक आचार्य श्रीमती विभा शर्मा तथा महाविद्यालय के ही रसायन शास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ गोपाल लाल कुमावत थे। आइक्यूएसी समिति ने भी सक्रियता से इस कार्यक्रम को संपन्न कराने का दायित्व निभाया जिसके आदरणीय सदस्य डॉ सुमन बड़ौला, डॉक्टर

बृजेश कुमार बसोतिया , डॉक्टर संतोष भंडारी और साथ-साथ विशेष तकनीकी मार्गदर्शन महाविद्यालय के सह आचार्यडॉ. दुर्गेश शर्मा का प्राप्त हुआ।

स्वागत उद्बोधन प्राचार्य ने प्रस्तुत किया था।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ महेश चंद्र तिवारी ने वेबिनार का परिचयदिया। वेबिनार में विषय प्रवर्तन का महत्वपूर्ण दायित्व सह आचार्य और विभाग प्रभारी हिंदी विभाग श्री गोविंद गुरु राजकीय महाविद्यालय बांसवाड़ा डॉ मनोज पंड्या द्वारा निभाया गया। इन्होंने इस कार्यक्रम का जो मुख्य विषय है ‘राष्ट्रीय चेतना साहित्य ’ उसके इतिहास पर संक्षिप्त पर चर्चा करते हुए उसके वर्तमान पर और उसके भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला तथा विषय का समुचित प्रवर्तन किया विषय-प्रवर्तन के पश्चात महाविद्यालय में हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ. उषा शर्मा ने ‘आदिकाल और राष्ट्रीय साहित्य का बीजांकुर ’ विषय पर अपने

विचार व्यक्त किए और राष्ट्रीय साहित्य के बीजांकुर के लिए आदिकाल की भूमिका पर प्रकाश डाला।

तत्पश्चात महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज चित्तौड़गढ़ के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अखिलेश 'मध्यकालीन साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के स्वर' विशेष तौर से भक्ति काल में राष्ट्रीय चेतना के साथ किया और साथ ही रीतिकाल में भी हुई थी और उन्होंने किया और कार्यक्रम को आगे बढ़ाया । तत्पश्चात भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय निंबाहेड़ा में हिंदी के सहायक आचार्य डॉ. राजेंद्र सिंघवी ने अपने उद्बोधन में 'स्वाधीनता संग्राम और राष्ट्रीय चेतना ' अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. हुसैनी बोहरा ने 'बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य ' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए । 'समकालीन साहित्य मे राष्ट्रीय चेतना के स्वर' इस विषय पर सेवानिवृत्त आचार्य डॉक्टर राजेश चौधरी

ने विचार व्यक्त किए। ‘राष्ट्रीय चेतना साहित्य का वैश्विक परिदृश्य ’ यह विषय था प्रोफ़ेसर पुष्पिता अवस्थी का।

कार्यक्रम के अंत में आइक्यूएसी प्रभारी अधिकारी श्रीमती शकुंतला शर्मा ने सभी उपस्थित मेहमानों का आभार प्रदर्शन किया। इस प्रकार इस राष्ट्रीय चेतना साहित्य पर की गई वेबीनार का समापन हुआ।

राष्ट्रीय चेतना साहित्य पर वेबिनार

'राष्ट्राय चतना साहित्य'
अंतर्राष
ार
दिनांक:
2

ब्यूरो/नवज्योति, राजसमंद। एसआरके कोलेज के हिन्दी विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय चेतना साहित्य विषय पर एक अन्तरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण प्राचार्य डॉ. रचना तैलंग ने प्रस्तुत किया। आयोजन सचिव डॉ. महेश चन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। वेबिनार में विषय प्रवर्तन डॉ. मनोज पंड्या ने किया। डॉ. उषा शर्मा ने आदिकालीन साहित्य पर राष्ट्रीय चेतना के बीजांकुर पर अपनी बात प्रस्तुत की। मध्यकालीन काव्य में साहित्य चेतना पर पर बात रखते हुए डॉ. अखिलेश चास्टा ने सभी को लाभान्वित किया। इसके बाद स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रीय चेतना विषय पर डॉ. राजेंद्र सिंघवी ने अपनी बात रखी तथा बीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध पर डॉ. हुसैनी बोहरा ने इस कालखंड को नवचेतना वाला कालखंड बताया। अंत में डॉ. राजेश चौधरी ने समकालीन साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के विविध स्वरूपों को स्पष्ट किया। आईक्यू एसी प्रभारी अधिकारी शकुंतला शर्मा ने आभार ज्ञापित किया। संचालन विभा शर्मा ने किया।